web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

Social Justice Union (Govt. Registered)

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 25 अप्रैल 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 207

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 12 राज्यों की 95 सीटों पर 1,351 प्रत्याशी, 7 मई को मतदान

नई दिल्ली । आरएनएस

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 95 सीटों पर चुनाव होने जा रहे हैं। तीसरे चरण का मतदान 7 मई को होगा। इन 95 सीटों पर कुल 1,351 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे।

इसमें मध्य प्रदेश के बैतूल (अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित) संसदीय क्षेत्र में स्थगित चुनाव के लिए लड़ रहे 8 उम्मीदवार शामिल हैं। इसके अतिरिक्त गुजरात के सूरत संसदीय क्षेत्र से एक उम्मीदवार को निर्विरोध चुना गया है।

सभी 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 22 अप्रैल थी। निर्वाचन आयोग के मुताबिक लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान के लिए 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 95 संसदीय क्षेत्रों के लिए कुल 2,963 नामांकन दाखिल किए गए।

सभी सीटों के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल थी। दाखिल सभी नामांकनों की जांच के बाद 1,563 नामांकन वैध पाए गए। इनमें से कई उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए। जिसके बाद अब 1,351 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

तीसरे चरण में गुजरात में 26 संसदीय क्षेत्रों से अधिकतम 658 नामांकन दाखिल किए गए थे, इसके बाद महाराष्ट्र में 11 संसदीय क्षेत्रों से 519 नामांकन थे। महाराष्ट्र में उस्मानाबाद संसदीय क्षेत्र में अधिकतम 77 नामांकन प्राप्त हुए, इसके बाद छत्तीसगढ़ में बिलासपुर संसदीय क्षेत्र में 68 नामांकन प्राप्त हुए।

दूसरे चरण में जिन सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, उनमें असम की 4, बिहार की 5, छत्तीसगढ़ की 7, दादर और नगर हवेली तथा दमन और दीव की 2, गोवा की 2, गुजरात की 26, जम्मू और कश्मीषर की 1, कर्नाटक की 14, मध्यप प्रदेश की 9, महाराष्ट्र, की 11, उत्तर प्रदेश की 10 और पश्चिम बंगाल की 4 सीटों पर चुनाव होने जा रहे हैं।

चुनावी बॉन्ड घोटाले की एसआईटी जांच हो', सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है जिसमें तथाकथित चुनावी बॉन्ड घोटाले की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा शीर्ष अदालत के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में कराने की मांग की गई है। अधिवक्ता प्रशांत भूषण के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि शीर्ष अदालत के निर्देशों पर सामने आये चुनावी बॉन्ड के आंकड़े दिखाते हैं कि इसका बड़ा हिस्सा कॉर्पोरेट्स द्वारा राजनीतिक दलों को अनुबंध, लाइसेंस और सरकारों या प्राधिकारियों से पट्टे प्राप्त करने के बदले प्रत्युपकार के रूप में दिया गया है।

इसके अलावा, आरोप लगाया गया कि कॉर्पोरेट्स द्वारा राजनीतिक दलों को चुनावी बॉन्ड अनुकूल नीतिगत बदलावों के लिए और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर या केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जैसी एजेंसियों द्वारा कार्रवाई के करीब दिए गए थे। याचिका में दावा किया गया है कि कई कंपनियां जो इन एजेंसियों की जांच के दायरे में थीं, उन्होंने संभावित रूप से जांच के नतीजों को प्रभावित करने के लिए सत्ताधारी पार्टी को बड़ी रकम का दान दिया है। याचिका में कहा गया है, हालांकि ये स्पष्ट अदायगियां कई हजार करोड़ रुपये की हैं, ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने लाखों करोड़ रुपये के अनुबंधों और एजेंसियों द्वारा हजारों करोड़ रुपये की नियामक निष्क्रियता को प्रभावित किया है और ऐसा लगता है कि उन्होंने घटिया या खतरनाक दवाओं को बाजार में बेचने की अनुमति दी है, जिससे देश में लाखों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया है।

इसमें कहा गया है कि चुनावी बॉन्ड पर खुलासा किए गए डेटा से संकेत मिलता है कि कम से कम 20 कंपनियों ने अपने निगमन के तीन साल के भीतर 100 करोड़ रुपये से अधिक के चुनावी बॉन्ड खरीदे और कुछ मामलों में, जब उन्होंने बॉन्ड खरीदे तो कंपनियां केवल कुछ महीने पुरानी थीं जिससे कंपनी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन हुआ है। एनजीओ कॉमन कॉज द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि डेटा से पता चला है कि विभिन्न घाटे में चल रही कंपनियां और शेल कंपनियां चुनावी बॉन्ड के माध्यम से राजनीतिक दलों को भारी रकम दान कर रही थीं और चुनावी बांड की शुरुआत के कारण फर्जी कंपनियों की संख्या में वृद्धि हुई, जिनका इस्तेमाल कॉरपोरेट घरानों द्वारा अवैध धन को सफेद करने के लिए किया गया।

महत्वपूर्ण एवं खास

चीन का अंतरिक्ष यान शेनझोउ-18 चालक दल के साथ कल होगा प्रक्षेपित

जिउक्वान । उत्तर पश्चिमी चीन में जिउक्वान सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से अंतरिक्ष यान शेनझोउ-18 चालक दल के साथ बीजिंग समय के अनुसार गुरुवार को रात 8:59 बजे प्रक्षेपित किय जायेगा। चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (सीएमएसए) ने बुधवार को इसकी घोषणा की। सीएमएसए के उप निदेशक लिन ज़िकियांग ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अंतरिक्ष यान शेनझोउ-18 अंतरिक्ष उड़ान मिशन को पूरा करने के लिए तीन अंतरिक्ष यात्रियों – ये गुआंगफू, ली कांग और ली गुआंगसु – को ले जाएगा और श्री ये इसके कमांडर होंगे। शेनझोउ-18 चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम का 32वां उड़ान मिशन है और चीन के अंतरिक्ष स्टेशन के अनुप्रयोग और विकास चरण के दौरान तीसरा मानवयुक्त मिशन है। चालक दल लगभग छह महीने तक कक्षा में रहेगा और उनका इस साल अक्टूबर के अंत में उत्तरी चीन के भीतरी मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र में डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर लौटने का कार्यक्रम है। लिन ने कहा प्रक्षेपण में लॉन्ग मार्च-2एफ वाहक रॉकेट का उपयोग किया जाएगा, जो जल्द ही प्रणोदक से भर जाएगा। लिन ने कहा, शेनझोउ-18 चालक दल को कक्षा में काम सौंपने के बाद शेनझोउ-17 चालक दल 30 अप्रैल को डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर लौटने वाला है।

पाकिस्तान के सैन्य अभियान में 3 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में एक सैन्य अभियान में तीन आतंकवादी मारे गए और एक अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया। देश की सेना ने एक बयान में यह जानकारी दी। सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि यह घटना पिशिन इलाके में बीती रात से लेकर सुबह तक हुई। यहां सुरक्षा बलों ने एक खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन चलाया। आईएसपीआर ने कहा कि भीषण गोलीबारी के बाद तीन आतंकवादी मारे गए, जबकि उनका साथी घायल हो गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। बयान में कहा गया है कि ऑपरेशन के दौरान भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए गए।

फ्रांस से नावों में ब्रिटेन जाने की कोशिश के दौरान पांच लोगों की मौत

पेरिस । उत्तरी फ्रांस के तट से ब्रिटेन जाने के लिए इंग्लिश चैनल को पार करने की कोशिश के दौरान कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस बात की जानकारी नहीं है कि सोमवार रात कितनी प्रवासी नौकाओं ने रवाना होने का प्रयास किया। फ्रांसीसी दैनिक ला वोइक्स डू नॉर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, अपतटीय क्षेत्र और विमेरेक्स के समुद्र तट पर एक बड़ा बचाव कार्य चल रहा है। उत्तरी फ्रांस में कैलाइस के आसपास का क्षेत्र ब्रिटेन के लिए सबसे छोटी सीमा पार करने का जंपिंग-ऑफ पॉइंट है। फ्रांसीसी समुद्री अधिकारियों के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में लगभग 36 हजार लोगों ने छोटी नावों में खतरनाक सीमा पार की।

जेएंडके: बांदीपोरा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच भीषण मुठभेड़, दो जवान घायल

श्रीनगर । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव को लेकर और राजौरी घटना के बाद सुरक्षाबल अलर्ट मोड पर है। आतंकियों के सफाए के लिए जवान दिन-रात पूरी मुस्तैदी के साथ जुटे हैं। इसी क्रम में बांदीपोरा जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस भिड़ंत में दो सिपाही घायल हो गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

कश्मीर जोन पुलिस ने इंटरनेट मीडिया के एक्स प्लेटफॉर्म पर बताया कि अरागाम, बांदीपुरा के रेन्जी वन क्षेत्र में सुबह-सुबह आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई। इन इलाकों में तलाशी अभियान जारी है।

बता दें कि 22 अप्रैल को राजौरी में प्रादेशिक सेना के जवान के घर पर आंतकियों ने हमला किया था। इस हमले में सेना के जवान के भाई की हत्या कर दी गई थी। आतंकी जवान को किडनैप करने के मकसद से आए थे। मगर वे इस प्लान में नाकाम रहे। घटना के पीछे लश्कर ए तैयबा के विदेशी आतंकी अबू हमजा का हाथ बताया जा रहा है।

घटना के बाद से ही जवान आसपास के इलाकों सहित कश्मीर में सर्च अभियान चला रहे हैं। इसी क्रम में आज सुबह बांदीपोरा जिले में सुरक्षाबलों की मुठभेड़ आंतकियों से हो गई। भिड़ंत में दो जवान घायल हो गए हैं।

25,753 स्कूल भर्तियां रद्द करने का मामला पहुंचा सुप्रीमकोर्ट, ममता सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश को दी चुनौती

नई दिल्ली । आरएनएस

पश्चिम बंगाल विद्यालय सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) द्वारा 2016 में शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक पदों पर 25,753 नियुक्तियों को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। विशेष अनुमति याचिका में उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति देबांगसु बसाक और शब्बर रशीदी की खंडपीठ द्वारा पारित 22 अप्रैल के आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें राज्य के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में नौकरियों की विभिन्न श्रेणियों के लिए 2016 में सूचीबद्ध सभी 25,753 व्यक्तियों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया था।

पीठ ने यह भी आदेश दिया था कि इन चयनित उम्मीदवारों को उनके द्वारा लिया गया पूरा वेतन 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ अगले चार सप्ताह के भीतर वापस करना होगा। डब्ल्यूबीएसएससी को नए सिरे से भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश देने के अलावा, अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को मामले की जांच जारी रखने का भी निर्देश दिया।

उच्च न्यायालय ने बड़ी संख्या में पदों के सृजन के राज्य कैबिनेट के फैसले पर संज्ञान लेते हुए कहा कि यदि आवश्यक हो तो सीबीआई रिक्त पदों से अधिक सीटों के सृजन के पीछे के मास्टरमाइंडों से पूछताछ कर सकती है। ऐसा माना जाता है कि बड़ी संख्या में सृजित ये पद, जो शुरू से ही संदेह के घेरे में रहे हैं, अवैध रूप से भर्ती किए गए अयोग्य उम्मीदवारों को शामिल करने के लिए जोड़े गये थे।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मानवीय आधार पर सोमा दास नामक एक उम्मीदवार के मामले में केवल एक अपवाद रखा। कैंसर की मरीज होने के कारण उनकी भर्ती रद्द नहीं की जायेगी।

घातक बीमारियों को रोकने के लिए एमआरएनए वैक्सीन तकनीक का उपयोग सुरक्षित, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली । आरएनएस

हाल ही में कोविड-19 महामारी के दौरान देखी गई एमआरएनए वैक्सीन तकनीक घातक बीमारियों को रोकने के लिए भी कारगर है। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है।

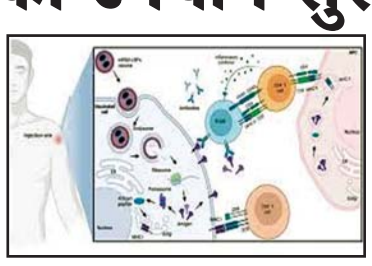

विश्व टीकाकरण सप्ताह के हिस्से के रूप में डेटा और एनालिटिक्स कंपनी ग्लोबलडेटा की रिपोर्ट से पता चलता है कि वर्तमान में लगभग 507 टीके के निर्माण अंतिम चरण में हैं, जिनमें से 88 को ट्यूबरक्लोसिस, मलेरिया से लेकर इन्फ्लूएंजा, कोविड-19, रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस (आरएसवी) और लाइम सहित अन्य बीमारियों को रोकने के लिए एमआरएनए तकनीक का उपयोग कर विकसित किया जा रहा है।

अन्य वैक्सीन तकनीक के विपरीत, एमआरएनए का उत्पादन तेजी से हो सकता है हालांकि इन टीकों को अल्ट्रा-कोल्ड स्टोरेज की आवश्यकता होती है, लेकिन इसे संशोधित करने से यह और भी अधिक बेहतर हो जाएगा। बीमारी को रोकने और जीवन की रक्षा के लिए टीकों की क्षमता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल अप्रैल के आखिरी सप्ताह में विश्व टीकाकरण सप्ताह मनाया जाता है।

ग्लोबलडेटा में संक्रामक रोग विश्लेषक एनाले टैनेन ने कहा, टीकाकरण ने हमारे समाज में बीमारी के बोझ को काफी हद तक कम कर दिया है। हम पहले ही चेचक का खात्मा देख चुके हैं और पोलियो को भी खत्म करने के बहुत करीब हैं।

टीकाकरण को बढ़ावा देना, टीकाकरण कार्यक्रम में सुधार करना और नए टीके विकसित करना सभी ऐसे तरीके हैं जो रुग्णता मृत्यु दर में कमी लाने में योगदान देंगे। वर्तमान में, 20 से ज्यादा जानलेवा बीमारियों को टीकों से रोका जा सकता है। इसके अलावा, नए तंत्रों से आने वाले वर्षों में उपलब्ध रोकथाम योग्य टीकों के दायरे को व्यापक बनाने की उम्मीद है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के डेटा से पता चलता है कि टीके डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस, इन्फ्लूएंजा और खसरा जैसी बीमारियों से सालाना लगभग 3.5-5 मिलियन मौतों को रोकते हैं। टैनेन ने कहा, हालिया कोविड-19 महामारी ने दुनिया की आबादी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए प्रभावी टीकों की आवश्यकता, टीकाकरण पहुंच और स्वीकृति में सुधार पर जोर दिया है।

टैनेन ने कहा, टीकाकरण सबसे सस्ते और सबसे प्रभावी सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों में से एक है, जो बीमारी से लडऩे में सक्षम बनाता है। टीके को लेकर हिचकिचाहट अभी भी मौजूद है, और खास तौर से एमआरएनए को लेकर। इसलिए, इस टीकाकरण के बारे में जागरूकता फैलाना आवश्यक है।

नोएडा में प्रिंटिंग फैक्ट्री में लगी भीषण आग, कड़ी मशक्कत के बाद पाया गया काबू

नोएडा । आरएनएस

नोएडा के सेक्टर-63 स्थित एक प्रिंटिंग फैक्ट्री में बीती देर रात आग लग गई। आग काफी भीषण थी जिसे काबू करने में फायर ब्रिगेड की आठ गाडिय़ों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इस आगजनी की घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं मिली है।

गौतमबुद्ध नगर के फायर ब्रिगेड विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, बीती रात करीब 1 बजे सेक्टर–63 नोएडा स्थित देवेंद्र एंड संस फैक्ट्री में आग लगने की सूचना फायर विभाग को मिली थी। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए फायर सर्विस यूनिट घटनास्थल पर रवाना हुई।

घटनास्थल पर पहुंचे फायर कर्मचारी ने देखा कि कंपनी बेसमेंट और दूसरे तल तक बनी थी जिसमें प्रिंटिंग का काम होता था। प्रथम तल पर आग लगी जो दूसरी मंजिल तक फैल गई।

आग के भीषण रूप को देखते हुए फायर विभाग ने अन्य स्टेशनों से फायर ब्रिगेड की गाडिय़ों को मौके पर बुलाया। फायर सर्विस की 8 गाडिय़ों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग को बुझा दिया गया। गनीमत रही की आगजनी की घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं मिली। फिलहाल पुलिस और फायर ब्रिगेड के कर्मचारी आग लगने के कारणों का पता लगाने में जुटे हैं।

बारातियों को लेकर जा रही पिकअप पलटी, किशोर समेत दो की मौत

सुल्तानपुर । आरएनएस

बीती रात बड़ा हादसा हुआ है। बारातियों को लेकर लौट रही पिकअप गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें किशोर समेत दो की मौत हुई है। वही दर्जन भर लोग घायल हुए हैं। कुछ का लंभुआ सीएचसी तो कई लोगों का राजकीय मेडिकल कॉलेज में इलाज जारी है। घटना लंभुआ कोतवाली क्षेत्र की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के अवसानपुर में केशव राम यादव के घर से बारात गई थी। देर रात करीब दो बजे के आसपास पिकअप से दर्जन भर से अधिक बाराती लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि पिकअप जब गराएं रोड पर पहुंची तो कोतवाली क्षेत्र के सैतापुर सरांय गांव के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे पिकअप पर सवार बाराती घायल हुए और घटनास्थल पर कोहराम मच गया। आनन-फानन में सभी घायल बारातियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंभुआ लाया गया। जहां एक को डॉक्टर ने मृत घोषित किया। मृतक की पहचान सिंघम (12वर्ष) पुत्र अशोक सरोज निवासी देवी बीरपुर लंभुआ के रूप में हुई। यहां से दर्जन भर घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। घायलों में सचिन कुमार निवासी लंभुआ, आदर्श धुरिया निवासी सेमरी राजापुर लंभुआ, कमला प्रसाद निवासी लंभुआ, गुड्डू निवासी जयसिंहपुर, सूरज निवासी जयसिंहपुर, महेश सरोज पुत्र सोमनाथ सरोज, मयंक सरोज पुत्र राकेश सरोज, पीएम सरोज पुत्र राजेश सरोज, निवासी देवरी वीरापुर, अशोक कुमार धुरिया निवासीसेमरी राजापुर को राजकीय मेडिकल कॉलेज में एडमिट किया गया। यहां सचिन और गुड्डू की हालत बिगडऩे पर चिकित्सक ने लखनऊ रेफर किया। जहां रास्ते में सचिन (19वर्ष) की मौत हो गई। अन्य घायलों का सर्जिकल वार्ड में इलाज जारी है। सीओ लंभुआ अब्दुस सलाम ने बताया कि पिकअप गाड़ी लगभग 80 की स्पीड में मोड़ पर टर्न ले रही थी। जिस कारण हादसा हुआ। इसमें एक की मौके पर व दूसरे की लखनऊ ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम में भेजकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

स्क्रैप माफिया रवि काना और उसकी साथी काजल थाईलैंड में गिरफ्तार

❒ दोनों कई दिनों से चल रहे थे फरार

ग्रेटर नोएडा । आरएनएस

स्क्रैप माफिया और गैंगस्टर रवि नागर उर्फ रवि काना और उसकी महिला सहयोगी काजल झा को थाईलैंड में वहां की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आधिकारिक सूत्रों मे इसकी पुष्टि की है।

इसी साल जनवरी में पुलिस ने जारी किया था रेड कॉर्नर नोटिस

गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस ने जनवरी 2024 में लुक आउट और रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। यह नोटिस और रवि पर चल रहे मुकदमों का विवरण पुलिस ने थाईलैंड के साथ साझा किया था। इसी के आधार पर यह गिरफ्तारी होने की बात कही जा रही है। पुलिस रवि काना गिरोह के 14 सदस्यों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इसमें रवि काना की पत्नी मधु नागर भी शामिल है। इसके साथ ही 100 करोड़ से अधिक की संपत्ति को भी सीज कर चुकी है। चार बैंक खातों को भी फ्रीज किया जा चुका है। रवि काना के खिलाफ नोएडा के सेक्टर-39 में सामूहिक दुष्कर्म और बीटा-2 थाने में गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज किया गया था।

पिछले महीने पुलिस ने रवि काना गैंग के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

गैंगस्टर के मुकदमे में 16 सदस्य नामजद थे। रवि काना की पत्नी मधु को पुलिस फरवरी 2024 में दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था। पिछले महीने पुलिस ने रवि काना गैंग के खिलाफ जिला अदालत में 500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें रवि काना को काले कारोबार का सरगना बताया गया और उसकी सहयोगी काजल झा को इसमें बराबर का हिस्सेदार बताया गया था।

भाई की हत्या के बाद संभाला स्क्रैप का काम

रवि काना दनकौर के गांव दादुपुर के हरेंद्र प्रधान का बड़ा भाई है। साल 2015 में हरेंद्र प्रधान की हत्या हो गई थी और आरोप कुख्यात बदमाश सुंदर भाटी पर था। यह घटना गौतमबुद्ध नगर के चर्चित हत्याकांड में से एक है। इस हत्याकांड के बाद स्क्रैप व सरिया की तस्करी के धंधे का काम रवि काना ने संभाला। साथ ही भाई की हत्या के बाद खुद की जान को खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा मांगी थी।

छह महीने पहले हटा ली थी सुरक्षा- पुलिस से सुरक्षा मिलने के बाद रवि काना ने इसका दुरुपयोग किया। पुलिस सुरक्षा के साथ वह अपराधों को अंजाम देता रहा। उसके खिलाफ मुकदमे दर्ज होते रहे। रवि काना के साथ-साथ हरेंद्र नागर की पत्नी और रवि की भाभी बेवन नागर, भाई राजकुमार नागर को भी पुलिस ने सुरक्षा प्रदान की थी। इस कारण सभी की सुरक्षा छह महीने पहले हटा ली गई।

हमने थाईलैंड पुलिस के साथ रवि काना के बारे में विवरण साझा किया था। अभी थाईलैंड पुलिस ने हमें मेल से या किसी आधिकारिक माध्यम से कोई सूचना नहीं दी है। आधिकारिक सूचना मिलने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। **-वरिष्ठ पुलिस अधिकारी**